नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 218
दि. 09.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

मोटापा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है और यह केवल एक सौंदर्य संबंधी समस्या नहीं है : डॉ. जितेंद्र सिंह

'इसका समाधान वैज्ञानिक सटीकता एवं नीति अनुशासन के साथ करना चाहिए'

आईआईएसएफ पैनल ने मोटापे पर गलत सूचना की जांच वाले प्रावधानों की कमी पर प्रकाश डाला

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत में तेजी से बढ़ती मे चयापचय चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में "मोटापे पर चिकित्सक-वैज्ञानिक संवाद" विषय पर पैनल चर्चा में कहा, "मोटापा भारत में एक जन स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है और यह केवल सौंदर्य संबंधी समस्या नहीं है। इस चुनौती का समाधान वैज्ञानिक सटीकता एवं नीतिगत अनुशासन के साथ करने की आवश्यकता है।"

इस सत्र का आयोजन नैदानिक चिकित्सा, जैव चिकित्सा अनुसंधान और लोक नीति के प्रमुख विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया गया। इस सत्र में भारत में बढ़ते चयापचय चुनौतियों पर एक बहु-विषयक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया। मंत्री ने आईआईएसएफ में खचाखच भरे दर्शकों को संबोधित करते हुए इस बात पर बल दिया कि कैसे सामाजिक व्यवहार, बाजार और गलत सूचनाओं ने भारत में मोटापे के परिदृश्य को जटिल बना दिया है।

मंच पर भारत के वैज्ञानिक एवं चिकित्सा समुदाय के प्रमुख विशेषज्ञ उपस्थित थे, जिनमें एनएबीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ. अश्वनी पारीक; डॉ. विनोद कुमार पॉल और डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य नीति आयोग; प्रो. उल्लास कोल्थुर, सीडीएफडी के निदेशक; टीएचएसटीआई के कार्यकारी निदेशक डॉ. गणेशन कार्तिकेयन; और वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ. संजय भदादा और डॉ. सचिन मित्तल शामिल थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय समाज में मोटापे को एक बीमारी के बजाय एक सौंदर्य संबंधी समस्या के रूप में देखा जाता है जिसके कारण इस पर वैज्ञानिक चर्चा में देरी हुई है। उन्होंने कहा, "दशकों से, हमारे चिकित्सा सम्मेलनों में मधुमेह एवं चयापचय संबंधी विकारों पर चर्चा होती रही है लेकिन मोटापे पर कभी नहीं हुई। पिछले 15 वर्षों में हमने इसे एक गंभीर चिकित्सा प्रासंगिकता वाला विषय के रूप में देखना शुरू किया है।"

मंत्री ने भारत की अनोखी शारीरिक विशेषताओं को उजागर किया। उन्होंने विशेष रूप से पूर्वी आबादी में केंद्रीय या आंतरिक मोटापे की उच्च व्यापकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीयों के लिए, कमर की माप वजन से ज्यादा महत्वपूर्ण कहानी बताती है और इस बात पर बल दिया कि यद्यपि समग्र शरीर का वजन सामान्य प्रतीत होता है, फिर भी आंतरिक वसा एक स्वतंत्र जोखिम कारक है।

जीएलपी-आधारित दवाओं का व्यापक और फैशनेबल उपयोग पर बात करते हुए, मंत्री ने विवेकपूर्ण उपयोग के साथ सावधानी बरतने का आग्रह किया और इस बात पर बल दिया कि कभी-कभी दीर्घकालिक प्रभाव कई वर्षों बाद स्पष्ट होते हैं। उन्होंने पिछले सार्वजनिक-स्वास्थ्य गलत निर्णयों को याद किया जैसे कि 1970 और 80 के दशक में रिफाइंड तेलों में अनियमित बदलाव, जिसने बाद में प्रतिकूल परिणाम सामने आए। उन्होंने कहा कि सही नैदानिक निष्कर्ष दशकों से परिणामों का अवलोकन करने से प्राप्त हो सकता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने तेजी से या दवा के माध्यम से वजन घटने से जुड़ी साकोपेनिया और ओजेम्पिक फेस जैसी उभरती चिंताओं का भी उल्लेख किया तथा कहा कि शारीरिक प्रभाव का पूरा स्पेक्ट्रम अभी भी पूरी तरह से समझा नहीं गया है।

मंत्री के संबोधन का एक बड़ा हिस्सा गलत सूचनाओं से उत्पन्न खतरे पर केंद्रित रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अयोग्य चिकित्सक एवं स्वयंभू आहार विशेषज्ञ भारत के चयापचय संकट को और बदतर बना रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत में चुनौती जागरूकता की कमी नहीं बल्कि भ्रामक सूचनाओं का तेजी से बढ़ना है। प्रत्येक कॉलोनी में एक आहार विशेषज्ञ तो है लेकिन उनकी योग्यता की जांच करने की कोई व्यवस्था नहीं है। अनियंत्रित सलाह और बिना जांचे-परखे नुस्खे मोटापे से भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं।" उन्होंने नीति निमार्ताओं से ऐसे उपाय तैयार करने का आग्रह किया जो मरिजों भ्रामक हस्तक्षेपों से सुरक्षित रखें।

उन्होंने भारत में चयापचय संबंधी जटिलताओं के बढ़ते दायरे की भी बात की। उन्होंने कहा, 'पहले ओपीडी में आने वाले हर तीसरे मरीज को मधुमेह का पता ही नहीं चलता था; आज हर तीसरे मरीज को फैटी लिवर है। यह दायरा बढ़ रहा है, और हमें इससे निपटने के लिए कहीं ज्यादा वैज्ञानिक एवं विनियमित तंत्र की आवश्यकता है।'

अपने भाषण का समापन मार्क ट्वेन के अर्थशास्त्र पर प्रसिद्ध उद्धरण से तुलना करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, 'मोटापा जैसा गंभीर विषय केवल एंडोक्राइनोलॉजिस्टों के लिए छोड़ने लायक नहीं है। यह एक सामाजिक समस्या है जो संस्कृति, आदतों, बाजार और गलत जानकारी से उत्पन्न होती है और इसके दायरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।'

सत्र का समापन भारत में तेजी से विकसित हो रही चयापचय स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए चिकित्सकों, शोधकताओं, नीति निमार्ताओं और जनता से गहन सहयोग की अपील के साथ हुआ।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने भारतीय परंपराओं और मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम की सराहना की

प्रधानमंत्री ने दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह सुबह की ताजगी भरी शुरूआत करता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में योग से लेकर भारतीय जीवन शैली के विभिन्न पहलुओं तक विविध विषयों को शामिल किया जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपराओं और मूल्यों पर आधारित यह कार्यक्रम ज्ञान, प्रेरणा और सकारात्मकता का एक अनूठा संगम है। प्रधानमंत्री ने 'सुप्रभातम्' कार्यक्रम के एक विशेष खंड-संस्कृत सुभाषितम् की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष चर्चा की शुरूआत की

- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को बल दिया
- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होते देखना हम सभी के लिए गर्व की बात है
- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम वह शक्ति है जो हमें, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करती है
- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम ने भारत में हजारों वर्षों से गहराई से जड़ें जमाए विचार को फिर से जागृत किया
- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम में हजारों वर्षों की सांस्कृतिक ऊर्जा भी समाहित होने के साथ-साथ स्वतंत्रता का उत्साह और स्वतंत्र भारत का दृष्टिकोण भी शामिल था
- प्रधानमंत्री ने कहा- लोगों के साथ वंदे मातरम का गहरा सम्बंध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की यात्रा को दशार्ता है

- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम ने हमारे स्वतंत्रता आंदोलन को बल और दिशा दी
- प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम के सर्वव्यापी मंत्र ने स्वतंत्रता, त्याग, शक्ति, पवित्रता, समर्पण और लचीलेपन को प्रेरित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज लोकसभा में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित विशेष चर्चा की शुरूआत की। प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर सामूहिक चर्चा का मार्ग चुनने के लिए सदन के सभी सम्मानित सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम, वह मंत्र और आ'ान है जिसने राष्ट्र के स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया। इस सदन में वंदे मातरम को याद किया जाना सभी के लिए सौभाग्य की बात है। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि यह गर्व की बात है कि राष्ट्र वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि यह कालखंड हमारे सामने इतिहास की अनगिनत घटनाओं को लेकर आता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि यह चर्चा न केवल सदन की प्रतिबद्धता को दर्शाएगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शिक्षा का स्रोत भी बन सकती है,

घुसपैठियों पर योगी का यूपी वासियों को खत, कहा- गैर जरूरी बोझ की समाप्ति भी जरूरी

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के निवासियों को संबोधित एक पत्र में कहा है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं। प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री योगी ने पत्र में लिखा- सर्वोच्च न्यायालय ने एक प्रकरण की सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाई जा सकती है। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं।

यूपी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : उन्होंने पत्र में आगे कहा- यूपी की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेश में अवैध रूप से

रह रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त और निर्णायक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। सभी नगरीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक संसाधनों पर अनधिकृत बोझ की समाप्ति भी आवश्यक है। योजनाओं के माध्यम से वंचितों को मिलने वाले लाभ को बंटने नहीं दिया जा सकता है। इसी उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें डिटेंशन केन्द्रों में भेजा जा रहा है, ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

इसके लिए प्रत्येक मंडल में डिटेंशन केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश की जागरूक जनता से अपील करता हूं कि सर्तक रहें और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियोजित करने से पूर्व उसकी पहचान अवश्य सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में ग्रिट की गवर्निंग बॉडी की दूसरी बैठक संपन्न

- उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, कृषि मंत्री तथा शिक्षा मंत्री बैठक में सहभागी हुए
- ग्रिट द्वारा विकसित किए गए 'विकसित गुजरात स्ट्रैटेजी रूम' का लोकार्पण ज्य के जिलों के 'डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडेक्ट एस्टीमेट्स' का अनावरण
- विकसित गुजरात@2047 तथा गुजरात@2035 का रोडमैप साकार करने में ग्रिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- रोजमर्रा के कार्य का डेटा ग्रिट में उपलब्ध है, फोकस एरिया में उसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वय स्थापित करें

- स्थापना के 15 महीने की अल्पावधि में युवा टीम के साथ ग्रिट राज्य के भविष्योन्मुखी थिंक टैंक के रूप में स्थापित हुआ है

गांधीनगर, 08 दिसंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को गुजरात राज्य इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (जीआरआईटी-ग्रिट) की गवर्निंग बॉडी की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि ग्रिट विकसित गुजरात@2047 तथा गुजरात@2035 का रोडमैप साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि ग्रिट द्वारा विभागों के तथा विभिन्न योजनाओं के रोजमर्रा के कार्यों का डेटा उपलब्ध हो गया है। उसके प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यों को अधिक गति देने के लिए यह डेटा महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इसके परिणामस्वरूप विकसित गुजरात@2047 तथा गुजरात@2035 के लिए जिन विभागों पर अधिक फोकस करने की जरूरत है, उसे जानकर उस दिशा में आगे बढ़ा जा सकेगा। विकसित गुजरात@2047 के निर्माण के लिए भविष्योन्मुखी विकास आयोजन में थिंक टैंक के रूप मार्गदर्शन के लिए ग्रिट का गठन किया गया है। उसकी गवर्निंग बॉडी की दूसरी बैठक सोमवार को गांधीनगर में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने इस बैठक से पहले ग्रिट के कार्यालय में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, वित्त मंत्री श्री कनुभाई देसाई, कृषि मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी तथा शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्युमन वाजा की उपस्थिति में विकसित गुजरात स्ट्रैटेजी रूम का लोकार्पण किया। इस स्ट्रैटेजी रूम में विकसित गुजरात@2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हो रहे विभिन्न कामकाज तथा प्रगति का एनालिसिस, योजनाओं के क्रियान्वयन का मूल्यांकन तथा की परफॉर्मेंस इंडिकेटर (केपीआई) डेटा ट्रैकिंग सहित बहुविध कार्य शुरू किए जाएंगे। मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों ने स्ट्रैटेजी रूम में उपलब्ध डिजिटल डैशबोर्ड, लाइब्रेरी, पोडकास्ट एरिया तथा अनुसंधान एवं विश्लेषण की उपलब्ध गतिविधियों का निरीक्षण भी किया।

श्री भूपेंद्र पटेल ने योजना प्रभाग द्वारा तैयार किए गए राज्य के जिलों के डिस्ट्रिक्ट डोमेस्टिक प्रोडक्ट एस्टीमेट्स का अनावरण भी किया। योजना प्रभाग द्वारा की गई इस नूतन पहल से अब सभी इंडिकेटर्स में इफेक्टिव लोकल डेवलपमेंट प्लानिंग एवं इनक्लूजिव तथा सस्टेनेबल डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट के लिए पॉलिसी मेकर्स को अधिक सरलता रहेगी।

ग्रिट की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीमती एस. अपर्णा ने इस बैठक में विस्तृत प्रेजेंटेशन द्वारा ग्रिट के गठन, वर्ष 2025 में शुरू किए गए कार्यों, विभिन्न आयोजनों, विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के सुझावों तथा आगामी वर्ष 2026 के आयोजनों की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाने तथा 280 लाख नए रोजगार सृजन के लिए रीजनल इकोनॉमिक मास्टर प्लान की तैयारियों के आयोजन का विवरण दिया।

इसके अतिरिक्त; उन्होंने एजुकेशन, फिशरीज, पोस्ट हार्वेस्टिंग मैनेजमेंट, ब्लू स्काई पॉलिसी, ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग तथा स्पाटियल कम्प्यूटिंग जैसे विषयों पर रिव्यूज, पॉलिसी पेपर्स, अध्ययन एवं वर्कशॉप के 19 प्रकाशनों तथा टास्क फोर्स कमिटी की 3 क्रियान्वयन समीक्षा रिपोर्ट्स की अनुशंसाओं के निष्कर्षों और गुजरात की स्थापना के 75 वर्ष गुजरात@2035 के लिए स्टेट एजेंडा तैयार करने में ग्रिट की भूमिका सहित समग्र विवरण दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल कहा कि गठन के 15 महीनों की अल्पावधि में ही ग्रिट भविष्योन्मुखी थिंक टैंक के रूप में उभर कर आया है। इसके लिए उन्होंने ग्रिट की युवा एवं उत्साही टीम की प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी ने सुझाव दिया कि सरकार के विभाग ग्रिट के डेटा के विवरणों का इंटीग्रेशन कर आगामी बजट तैयार करने में उसे उपयोग में ले सकते हैं।

ग्रिट के सभी सदस्यों ने इस दूसरी बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा फॉरवर्ड लुकिंग पॉलिसी रिसर्च, इनोवेशन तथा ट्रांसफॉर्मेशनल गवर्नेंस के लिए ग्रिट को अधिक सक्षम एवं प्रीमियर इंस्टीट्यूट के रूप में प्रस्थापित करने की दर्शाई गई प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

19 दिसंबर 2025 को 'सुशासन सप्ताह 2025' के तहत 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया जाएगा

एक सप्ताह का यह कार्यक्रम 19 से 25 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें नई दिल्ली, राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और सभी ज़िलों में होने वाले आयोजन शामिल होंगे

डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री (पीपी), 25 दिसंबर 2025 को मंत्रालयों/विभागों द्वारा विशेष अभियान 5.0 के दौरान अपनाई गई श्रेष्ठ प्रक्रियाओं पर एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे

विशेष अभियान 5.0 पर मूल्यांकन रिपोर्ट, सीपीजीआरएएमएस की वार्षिक रिपोर्ट, पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण पर दिशानिदेर्शों का संग्रह जारी किया जाएगा और एआई संचालित भर्ती नियम जनरेटर लॉन्च किया जाएगा

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कौशलों और गतिशीलता में सहयोग मजबूत करने का संकल्प दोहराया; खेलों, उन्नत विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर जोर

(जीएनएस)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास, कार्यबल गतिशीलता और तेजी से बढ़ती खेल अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाने के लिए अर्थपूर्ण आपसी विचार-विमर्श का आयोजन किया। इस बातचीत को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया-भारत शिक्षा और कौशल परिषद की तीसरी बैठक के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया। द्विपक्षीय बैठक की अध्यक्षता कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी तथा ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा राज्यमंत्री और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री एंड्रयू जाइल्स (सांसद) ने संयुक्त रूप से की।

चर्चा के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में मजबूत बनाने पर सहमति जताई गई।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी के बीच चलायी जाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल और भगत की कोठी के बीच स्पेशल किराये पर एक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09083/09084 मुंबई सेंट्रल झ भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09083 मुंबई सेंट्रल - भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 23:10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:00 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 10 से 31 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09084 भगत की कोठी - मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को भगत की कोठी से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 12 दिसंबर, 2025 से 02 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी) कोच कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09083 की बुकिंग 09 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

यूनेस्को की संस्कृति विभाग की सहायक महानिदेशक ने भारत सरकार को नई दिल्ली में इस समिति के 20वें सत्र की मेजबानी करने के लिए धन्यवाद दिया

संस्कृति मंत्रालय के सचिव ने कहा कि लाल किले में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की मेजबानी करना भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अनोखे मेल को दशार्ता है

(जीएनएस)।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की शुरूआत आज नई दिल्ली के लाल किले में विभिन्न सत्रों के साथ हुई। सुबह वाले सत्र के बाद संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की। 20वीं समिति (20 उडट) के चेयरपर्सन और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, श्री विशाल वी. शर्मा, तथा यूनेस्को के संस्कृति विभाग के सहायक महानिदेशक, श्री एर्नेस्टो ओट्टोने भी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री विवेक अग्रवाल ने कहा कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल लाल किले में इस सत्र की मेजबानी करना भारत की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अनोखे मेल को दशार्ता है। उन्होंने भारत के समुदाय-केन्द्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया, जिसमें परंपराओं की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय सूची का लगातार विस्तार, परंपरा-वहाकों के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रम, और जीवित विरासत को राष्ट्रीय विकास योजनाओं में शामिल करने के प्रयासों को रेखांकित किया।

सचिव ने भारत के उन 15 तत्वों का भी ज़िक्र किया, जो यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में शामिल हैं—जैसे वैदिक मंत्रोच्चार, कुटियट्टम, योग, कुंभ मेला, दुर्गा पूजा और गरबा। उन्होंने इन्हें 'भारत की सांस्कृतिक पहचान का रंगीन प्रतिबिंब' बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत मानवता की 'जीवित धड़कन' है, जो प्रदर्शन कलाओं, हस्तकला, त्योहारों, अनुष्ठानों और पीढ़ियों से चली आ रही मौखिक परंपराओं के रूप में समुदायों द्वारा जीवित रखी जाती है।

सचिव ने जोर देकर कहा कि यह सत्र एक बेहद महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत व्यापारिक दबावों, बदलते सामुदायिक ढांचे और तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल वातावरण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है।

उन्होंने कहा कि यूनेस्को का मंच सहयोग, संवाद और सामूहिक संरक्षण के लिए बेहद आवश्यक है।

उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए श्री विशाल वी. शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि समिति में भारत का वर्तमान कार्यकाल (2022झ 2026) जीवित विरासत की सुरक्षा पर वैश्विक चचाओं में भारत की भूमिका को और मजबूत करता है।

श्री एर्नेस्टो ओट्टोने ने भारत सरकार को नई दिल्ली में 20वें सत्र की मेजबानी के लिए धन्यवाद और खुशी व्यक्त की। साथ ही, उन्होंने सांस्कृतिक विरासतों की सुरक्षा में भारतीय सरकार के प्रयासों की सराहना की।

यह सप्ताहभर चलने वाला सत्र 8 से 13 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगा, जिसमें सदस्य देशों, सांस्कृतिक संस्थानों, विशेषज्ञों, एनजीओ और पर्यवेक्षकों सहित लगभग हजार प्रतिनिधि शामिल होंगे।

स्पेशल खेल महाकुंभ में 'वोरियर' टीम का शानदार प्रदर्शन, लगातार तीसरी बार गोल्ड मेडल पर कब्जा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं गुजरात सरकार की प्रेरणा से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले विशेष खेल महाकुंभ में दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा ने एक बार फिर अपनी उड़ान भरी है। इसी कड़ी में श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल (कप्तान) के नेतृत्व में 'वोरियर' टीम ने पेरा सिटिंग वॉलीबॉल खेल की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है।

यह प्रतियोगिता दिनांक 07/12/2025 (रविवार) को सिदसर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इनडोर स्टेडियम, भावनगर में पेरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, भावनगर की अगुवाई में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में भावनगर जिले की कुल 7 टीमों ने भाग लिया, जिन सभी को पराजित करते हुए 'वोरियर' टीम ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। गौरतलब है कि 'वोरियर' टीम ने यह खिताब लगातार तीसरी बार जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। यह उपलब्धि टीम की कड़ी मेहनत, अनुशासन और कप्तान श्री पराक्रमसिंह गोहिल के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।

दिव्यांग कर्मचारी श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल वर्तमान में पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में वाणिज्यिक विभाग में मुख्य वाणिज्य क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। अब जनवरी 2026 में श्री पराक्रमसिंह कनुभा गोहिल की अगुवाई में 'वोरियर' टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने चैम्पियनशिप खिताब का बचाव (डिफेंड) करने हेतु नडियाद के लिए रवाना होगी।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुश्री नीलादेवी झाला एवं भावनगर मंडल के सभी शाखा अधिकारियों ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में उनकी शानदार उपलब्धियों की कामना की।

अहमदाबाद मण्डल पर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल में आज मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में भारतीय संविधान के निमार्ता एवं भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मण्डल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश, अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू मीणा तथा अपर मण्डल रेल प्रबंधक श्री विकास गढ़वाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने डॉ. बी.आर.अम्बेडकर की छवि पर माल्यार्पण किया एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में मण्डल के रेल अधिकारी, ट्रेड यूनियन प्रतिनिधि, ओबीसी एसोसिएशन, एससी/एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों ने उपस्थित होकर डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भावनगर रेलवे मंडल पर मनाया गया डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का 70वाँ 'महापरिनिर्वाण दिवस'

पश्चिम रेलवे के भावनगर रेलवे मंडल पर भारत रत्न संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का 70वाँ महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बाबा साहेब का निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ था, जिसे प्रतिवर्ष महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दिनांक 06 दिसंबर 2025 (शनिवार) को मंडल कार्यालय में प्रशासनिक अवकाश होने के कारण यह कार्यक्रम 8 दिसंबर 2025 (सोमवार) को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भावनगर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा सहित मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी स्मृति को नमन किया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर भावनगर मंडल के विभिन्न ट्रेड यूनियनों, एससी/एसटी एसोसिएशन एवं ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में बाबा साहेब के विचारों, सामाजिक न्याय, समानता एवं संविधान के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के माध्यम से बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करने तथा समाज में समता, बंधुत्व एवं न्याय के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

निर्माण कार्य के कारण भावनगर-साबरमती इंटरसिटी एक्सप्रेस आंशिक रूप से निरस्त

यात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन नंबर 20966/20965 भावनगरझ साबरमतीझभावनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन में अस्थायी परिवर्तन को स्वीकृति प्रदान की गई है। साबरमती स्टेशन पर निर्माण कार्य प्रगति पर होने तथा ब्लॉक लिए के कारण यह ट्रेन दिनांक 16.12.2025 से 15.06.2026 तक गांधीग्राम और साबरमती स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

उक्त अवधि के दौरान ट्रेन का संचालन भावनगर से गांधीग्राम तथा गांधीग्राम से भावनगर के बीच ही किया जाएगा। गांधीग्रामझसाबरमतीझ गांधीग्राम खंड में इस ट्रेन का संचालन अस्थायी रूप से नहीं होगा।

यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी ट्रेनों की अद्यतन स्थिति की जानकारी रेलवे की अधिकृत वेबसाइट, 139 हेल्पलाइन अथवा नजदीकी रेलवे स्टेशन से प्राप्त कर लें।

रेल प्रशासन को असुविधा के लिए खेद है तथा यात्रियों के सहयोग की अपेक्षा करता है।

'मेरा गांव मेरी धरोहर' कार्यक्रम : चंपारण के गांवों का विवरण एमजीएमडी पर अपलोड

बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के सभी 1237 गांवों का विवरण एमजीएमडी पोर्टल पर मानचित्रण करके अपलोड किया गया है।

मेरा गांव मेरी धरोहर (एमजीएमडी) कार्यक्रम के तहत देश भर में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए 6,38,365 गांवों की पहचान की गई है। इनमें से अब तक 6,23,449 गांवों का विवरण एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है।

अपनी दस्तावेजीकरण गतिविधियों के हिस्से के रूप में, एमजीएमडी, मौखिक परंपराओं, विश्वासों, रीति-रिवाजों, ऐतिहासिक महत्व, कला रूपों, विरासत स्थलों, पारंपरिक भोजन, प्रमुख कलाकारों, मेलों और त्योहारों, पारंपरिक पोशाक, गहने और स्थानीय स्थलों सहित मूर्त और अमूर्त दोनों सांस्कृतिक तत्वों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है।

एमजीएमडी कार्यक्रम प्रामाणिक, ग्राम-स्तरीय सांस्कृतिक प्रोफाइल बनाकर ग्रामीण पहचान को मजबूत करने पर जोर देता है जो स्थानीय परंपराओं, प्रणालियों और विरासत संपत्तियों को मान्यता देता है। यह एमजीएमडी पोर्टल के माध्यम से समुदाय के नेतृत्व वाले दस्तावेजीकरण और क्राउड-सोर्स्ड सत्यापन को सक्षम करके सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है। एकल राष्ट्रीय पोर्टल पर संरचित सांस्कृतिक डेटा की उपलब्धता सांस्कृतिक क्लस्टर विकास, विरासत पर्यटन और पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने की योजना बनाने में सहायता करती है, जिससे स्थायी आजीविका सृजन और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान मिलता है।

एमजीएमडी कार्यक्रम के तहत, संस्कृति मंत्रालय ने ओडिशा के गांवों का सांस्कृतिक मानचित्रण किया है, जिसके तहत अब तक 47,209 गांवों का मानचित्रण किया गया है। भद्रक जिले के सभी 998 गांवों का विवरण मैप किया गया है और एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया गया है। इसी तरह, बालासोर जिले के सभी 2,798 गांवों का विवरण मानचित्रण के बाद एमजीएमडी पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

भारत ने नई दिल्ली में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए यूनेस्को की अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र की मेजबानी की

प्रधानमंत्री के संदेश में अमूर्त विरासतों की सुरक्षा में यूनेस्को के प्रयासों की सराहना की गई

भारत जीवंत परंपराओं की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है: श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

यूनेस्को की 20वीं अंतर-सरकारी समिति के साप्ताहिक सत्र का समापन 13 दिसंबर 2025 को होगा

(जीएनएस)।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति का 20वां सत्र नई दिल्ली के लाल किले में शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में केंद्रीय विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर यूनेस्को के महानिदेशक डॉ. खालिद अल-एनानी और यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत विशाल वी. शर्मा सहित कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल ने इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा। प्रधानमंत्री के संदेश में यूनेस्को के प्रयासों की सराहना की गई और सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के लिए वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत को यूनेस्को की सूची में शामिल चीजों पर गर्व है। हमें अपनी भाषाई विविधता, समृद्ध साहित्य और हमारे गांवों, कस्बों और समुदायों में पनप रही अनगिनत परंपराओं पर भी उतना ही गर्व है, जिनकी अपनी कहानी, इतिहास और मानवता के लिए अद्वितीय योगदान है।

केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि विरासत, स्मारकों और पांडुलिपियों से कहीं आगे बढ़कर है और यह भाषाओं, संगीत, त्योहारों, रीति-रिवाजों, शिल्प और मौखिक परंपराओं में बसती है। उन्होंने कहा कि भारत का सभ्यतागत मूल्य "वसुधैव कुटुम्बकम - विश्व एक परिवार है" आज भी उसकी सांस्कृतिक नीति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का मार्गदर्शन करता है।

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि आज भारत के 15 चीजें यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल हैं, जो देश की जीवंत और विविध जीवंत परंपराओं को दशार्ते हैं। विश्व स्तर पर, यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में 150 देशों के 788 चीजें शामिल हैं, जो सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के पैमाने और तात्कालिकता को दशार्ता है।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समुदाय ही सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संरक्षक हैं। उन्होंने शिल्प पुनरुद्धार, सामुदायिक अभिलेखीकरण, मास्टर-अप्रेंटिस प्रशिक्षण मॉडल और कारीगरों के लिए बाजार-आधारित आजीविका सहायता में भारत की पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सांस्कृतिक फेलोशिप और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं की अधिक भागीदारी का आ'ान किया ताकि भावी पीढ़ियों के लिए परंपराओं की निरंतरता सुनिश्चित हो सके।

केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि समिति का 20वां सत्र वैश्विक सहयोग को मजबूत करेगा और व्यावहारिक, समुदाय-आधारित सुरक्षा उपायों को बढ़ावा देगा। उन्होंने भारत में सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और दुनिया भर में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उद्घाटन समारोह के बाद, प्रतिनिधियों ने शास्त्रीय, लोक और समकालीन परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए भारतीय कला प्रदर्शनी देखी। इन प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक जीवंतता और विविधता झलक रही थी जो भारत की जीवंत विरासत का मूल तत्व है।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहल के रूप में ज्ञान भारतम

ज्ञान भारतम पहल

(जीएनएस)।

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहल के रूप में ज्ञान भारतम 1 फरवरी, 2025 को केंद्रीय बजट (पैरा 84) में घोषित किया गया। इसका उद्देश्य भारत की पांडुलिपि विरासत का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण, संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार करना है। इस पहल में एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को कवर करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहकताओं के साथ सहयोग की परिकल्पना की गई है, जबकि पहुंच और वैश्विक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा समर्थित एक राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी की स्थापना की गई है। इस पहल का समर्थन करने के लिए, स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) ने 2025-2031 की अवधि के लिए 491.66 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

ज्ञान भारतम डिजिटल वेब पोर्टल प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया है। 31 संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें से क्लस्टर केंद्रों के रूप में 19 केंद्र काम करेंगे और 12 केंद्र स्वतंत्र केंद्र के रूप में काम करेंगे, जो ज्ञान भारतम के पांच मुख्य कार्यक्षेत्रोंः सर्वेक्षण और कैटलॉगिंग; संरक्षण और क्षमता निर्माण; प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण; भाषाविज्ञान और अनुवाद और अनुसंधान, प्रकाशन और आउटरीच में काम करेंगे। देश भर में क्लस्टर केंद्रों और स्वतंत्र केंद्रों का समर्थन करने के लिए प्रौद्योगिकी भागीदारों को अंतिम रूप दिया गया है। ज्ञान भारतम में लगभग 3.5 लाख पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है।

दिल्ली घोषणा (ज्ञान भारतम संकल्प पत्र) संस्थानों, विद्वानों, समुदायों और निजी संरक्षकों को एकजुट करके भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने, डिजिटाइज करने और पुनर्जीवित करने के लिए एक राष्ट्रीय प्रतिबद्धता निर्धारित करती है। भारत की सभ्यता की जीवंत स्मृति के रूप में पांडुलिपियों पर जोर देते हुए, यह पारंपरिक ज्ञान को समकालीन प्रासंगिकता में लाने के लिए आधुनिक संरक्षण प्रणालियों, बड़े पैमाने पर डिजिटल पहुंच और नए सिरे से अनुसंधान की मांग करता है। विरासत संरक्षण को एक जन आंदोलन में बदलकर और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देकर, यह घोषणा भारत को पांडुलिपि-आधारित शिक्षा के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करते हुए विविध लिपियों और ज्ञान परंपराओं की सुरक्षा में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है।

ज्ञान भारतम एक अखिल भारतीय पहल है और इसलिए, इसका दायरा देश के किसी विशिष्ट राज्य या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। तदनुसार, ज्ञान भारतम पहल के तहत डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन - संगीत नाटक अकादमी, ओडिसी नृत्य, ओडिसी संगीत और संबलपुरी नृत्य सहित भारत की शास्त्रीय, पारंपरिक, आदिवासी और लोक प्रदर्शन कलाओं को बढ़ावा देने और संरक्षित करने के लिए उत्सवों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करती है। यह संगीत समारोहों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है और ओडिसी नृत्य और ओडिसी संगीत के कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार जैसे राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करता है।

संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन - पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी), कोलकाता, ओडिशा सहित अपने सदस्य राज्यों की लोक कला को बढ़ावा देता है और नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रमों और त्योहारों के माध्यम से संबलपुरी नृत्य (एक जीवंत लोक नृत्य रूप) का प्रदर्शन करता है।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

इंडिगो जैसी बड़ी एयरलाइन का संकट बड़ा

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले वुछ दिनों से भारी अव्यवस्था का सामना कर रही है। एक और उड़ानों का बड़े पैमाने पर रद्द होना तो दूसरी ओर आसमान छूते किराए ने यात्रियों की नाक में दम कर दिया है। एयरलाइन्स ने जिम्मेदारी नए एफडीटीएल (फ्लाइट डाूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों पर डाली, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इंडिगो के पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय था। इस कारण यह आरोप भी गंभीर हो गया है कि एयरलाइन ने नियमों में ढील पाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने का रास्ता चुना। एविएशन विशेषज्ञों के अनुसार इस संकट की जड़ जनवरी 2024 में दायर उस याचिका में है जिसमें पायलट यूनियन ने दिल्ली हाईकोर्ट के सामने थकान और लम्बी डाूटी को गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया था। कोर्ट के निर्देश के बाद डीजीसीए ने एफडीटीएल नियमों में बदलाव किए और उन्हें एक जुलाई 2025 से लागू कर दिया। इन नियमों में पायलटों को साप्ताहिक 36 घंटे की बजाए 48 घंटे का अनिवार्य आराम दिया और किसी भी छुट्टी को वीकली रेस्ट मानने पर रोक लगा दी। नवम्बर 2025 में इनका दूसरा चरण लागू हुआ, जिसमें लगातार नाइट शिफ्ट पर बड़ी पाबंदी लगा दी गई। इन्हीं बदलावों का असर इंडिगो पर सबसे अधिक पड़ा। 2 दिसम्बर को दिल्ली, मुंबई और बंगलुरू जैसे बड़े एयरपोर्ट्स पर उड़ाने अनियमित होना शुरू हुईं और ऑन टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) गिरकर 35 प्रातिशत पर आ गया। 3 दिसम्बर को यह स्थिति और बिगड़ी और ऑन टाइम परफॉर्मेंस 19.7 प्रातिशत तक गिर गया। 4 दिसम्बर को हालात लगभग ठप हो गए। करीब 800 उड़ानें रद्द करनी पड़ी और ओटीपी सिर्प 8.5 प्रातिशत पर रह गया। कई रूट्स पर टिकट का किराया 10,000 से बढ़कर 40,000-50,000 तक देखा गया। क्या यह समस्या मोनोपॉली की वजह से हुई? साल 2006 के अगस्त में दिल्ली-मुंबई के बीच उड़ान से शुरू हुई इंडिगो की कहानी इस मोड़ पर आ जाएगी तब राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने सपने में भी नहीं सोचा होगा, जिन्होंने 2005 में इंडिगो के मालिक इंटर ग्लोबल एंटरप्राइजेस की नींव रखी थी।

आज भारत के विभिन्न बाजार में इंडिगो सबसे बड़ी खिलाड़ी है और इसके पास करीब 64 प्रातिशत हिस्सेदारी है। अब यही बढ़ा कद उसकी हजारों उड़ाने वैंसल होने और यात्रियों को हुई बेशुमार दिक्कतों के चलते सवालों के घेरे में हैं। संसद में भी इंडिगो की कथित मोनोपॉली यानि एकाधिकार पर सवाल उठे। कांग्रोस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस संकट के लिए वेंद्र का मोनोपॉली मॉडल जिम्मेदार है। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि जो वुछ हुआ यह जानबूझ कर किया गया या बनाया गया। इस संकट से यह साबित होता है कि एक मोनोपॉली वंपनी जब चाहे देश को अपनी उंगलियों पर से नचा सकती है। सरकार ने एयर इंडिया को पीछे धकेल कर इंडिगो को एकाधिकार दिया जिससे वह विमानन क्षेत्र में मनमजा कर सके। जो वुछ हुआ है उससे यह छवि बनी है कि कोई एक बड़ी वंपनी भारत के विमानन नियमों में बदलाव करा सकती है। लिहाजा इस घटना से किसी एक वंपनी नहीं, बल्कि देश के पूरे विमानन क्षेत्र की साख पर आंच आई है। एविएशन सेफ्टी फर्म कंसलिटिग के सीईओ मार्व डी. मार्टिन ने कहा—एकाधिकार बड़ी वजह है। जिस तरह से यह मामला हुआ है उससे दुनिया भर में यह संदेश गया है कि भारत में एविएशन रेगुलेशन में दम नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र के एफएओ और भारत की साझेदारी से देश में नेक्स्ट जेन 'स्मार्ट ब्लू रिवॉल्यूशन', गुजरात के जखाऊ में भी बनेगा विश्वस्तरीय ब्लू हार्बर मॉडल

- जखाऊ (गुजरात), वनकबारा (दमन-दीव) और कराईकल (पुडुचेरी) में विकसित होंगे विश्वस्तरीय ब्लू हार्बर मॉडल
- PMMSY के तहत 452.32 करोड़ रुपये की स्मार्ट फिशिंग अवसंरचना परियोजनाएँ शुरू
- आगामी VGRC में कच्छ-सौराष्ट्र के तटीय विकास और ब्लू इकॉनमी पर रहेगा विशेष फोकस

गांधीनगर, 08 दिसंबर :गुजरात ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत की ब्लू इकोनॉमी को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की दिशा में उसका नेतृत्व सिर्फ दूरदर्शी ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक और परिणाम-केंद्रित भी है। तेजी से बदलते समुद्री परिदृश्य में आज फिशिंग हार्बर सिर्फ संरचनात्मक सुविधाएँ नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, समुद्री आजीविका और तटीय समुदायों की समृद्धि के प्रमुख स्तंभ बन चुके हैं। इसी दृष्टिकोण के केंद्र में है गुजरात द्वारा विकसित की जा रही 'ब्लू हार्बर' अवधारणा, जो पर्यावरणीय स्थिरता, आर्थिक दक्षता और सामाजिक समावेशन को एक साथ लेकर चलती है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी तटीय अवसंरचना को नई गति देने के प्रयास तेज हो गए हैं। भारत सरकार ने हाल ही में मत्स्य विभाग (DoF), मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय (MoFAHD) और संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) के साथ एक ऐतिहासिक तकनीकी सहयोग कार्यक्रम (TCP) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत जखाऊ (गुजरात), वनकबारा (दमन-दीव) और कराईकल (पुडुचेरी) में विश्व-स्तरीय 'ब्लू

हार्बर' स्थापित किए जाएंगे जो देश में स्मार्ट, टिकाऊ और समावेशी मत्स्य अवसंरचना के नए राष्ट्रीय मानक गढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत 452.32 करोड़ रुपये के निवेश से स्मार्ट और एकीकृत फिशिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाएँ तटीय विकास को तेजी से बदल रही हैं। इन परियोजनाओं से न सिर्फ समुद्री मत्स्य व्यवसाय आधुनिक होगा बल्कि भारत के वैश्विक समुद्री-आहार बाजार में भी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बढ़ेगा।

कच्छ जिले के पश्चिमी छोर पर स्थित जखाऊ हार्बर गुजरात के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मत्स्य केंद्रों में से एक है और यह राज्य की ब्लू ग्रोथ विजन का प्रमुख आधार भी बना हुआ है। मत्स्य आयुक्त (COF) द्वारा प्रबंधित यह हार्बर हजारों मत्स्य-जीवियों के जीवन का केंद्र है और समुद्री सुरक्षा दृष्टि से भी अत्यंत रणनीतिक है। जेटी, मरम्मत क्षेत्र, भंडारण प्रणालियों और कटाई-परवर्ती सुविधाओं से लैस जखाऊ को हाल ही में 'ब्लू रिवॉल्यूशन' पहल में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य इसकी अवसंरचनात्मक क्षमता को आधुनिक वैश्विक मानकों तक ले जाना है।

इसी पृष्ठभूमि में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (VGRC) जनवरी 2026 के दूसरे सप्ताह में राजकोट में आयोजित होने जा रही है। कच्छ और सौराष्ट्र जो अपने समृद्ध मत्स्य संसाधनों, महत्वपूर्ण समुद्री हार्बर्स और मजबूत तटीय अवसंरचना के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, पर इस बार विशेष फोकस रहेगा । यह क्षेत्र न सिर्फ समुद्री मत्स्य क्षेत्र के गतिविधियों और वैल्यू-चेन लॉजिस्टिक्स के प्रमुख द्वार हैं बल्कि भारत की उभरती ब्लू इकोनॉमी के लिए भी महत्वपूर्ण इंजन बन रहे हैं। सम्मेलन में नीति-निमार्ताओं से लेकर उद्योग जगत के नेताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और प्रमुख हितधारकों तक सभी एक मंच पर आएंगे जिसका उद्देश्य नए निवेश अवसरों, नवाचारों, उभरती तकनीकों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक साझा दृष्टि विकसित करना।

भारत ने पारंपरिक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन की उल्टी गिनती शुरू की

- केंद्रीय मंत्री श्री प्रताप राव जाधव ने नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन के पूर्वावलोकन को संबोधित किया
- भारत पारंपरिक चिकित्सा के माध्यम से संतुलन बहाल करने में दुनिया में अग्रणी हैः श्री प्रताप राव जाधव
- शिखर सम्मेलन पारंपरिक चिकित्सा के साक्ष्य-आधारित एकीकरण को प्रोत्साहन देगाः डॉ. पूनम खेत्रपाल
- वैश्विक शिखर सम्मेलन आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 17-19 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा
- शिखर सम्मेलन वैज्ञानिक सत्यापन, डिजिटल स्वास्थ्य, जैव विविधता संरक्षण और पारंपरिक चिकित्सा में वैश्विक सहयोग पर केंद्रित होगा

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय ने आज नई दिल्ली के राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में द्वितीय विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन से पहले एक पूर्वावलोकन पर एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया। यह शिखर सम्मेलन 17-19 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), श्री प्रतापराव जाधव ने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि भारत 2023 में गुजरात में आयोजित पहले सफल आयोजन के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन मानवता के स्वास्थ्य, खुशी और कल्याण के लिए पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के सामूहिक वैश्विक प्रयास में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो भारत के "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः" के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

श्री जाधव ने बताया कि इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय "संतुलन बहाल करनाः स्वास्थ्य और कल्याण का विज्ञान और अभ्यास" है। इस कार्यक्रम में दुनिया भर के मंत्री, नीति निमार्ता, वैश्विक स्वास्थ्य नेता, शोधकर्ता, विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि और चिकित्सक एक साथ आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी अपेक्षित है।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने घोषणा की कि आयुष मंत्रालय भारत के सबसे प्रसिद्ध और वैज्ञानिक रूप से अध्ययन किए गए औषधीय पौधों में से एक, अश्वगंधा पर एक समर्पित कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें पारंपरिक और समकालीन स्वास्थ्य पद्धतियों में इसके महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने पारंपरिक चिकित्सा में भारत के वैश्विक नेतृत्व पर जोर देते हुए कहा कि आयुष प्रणालियाँ - आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी - सदियों से लोगों की सेवा करती रही हैं और आज समग्र स्वास्थ्य के लिए विश्वसनीय समाधान के रूप में दुनिया भर में मान्यता प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ साझेदारी में गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन के वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना, भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दशार्ती है।

श्री जाधव ने आगामी शिखर सम्मेलन की योजना बनाने में आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के निरंतर प्रयासों की प्रशंसा की और पारंपरिक चिकित्सा में जागरूकता बढ़ाने और जनता के विश्वास को मजबूत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने बताया कि शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिखर सम्मेलन से प्राप्त विचार-विमर्श और सहयोग विश्व को स्वास्थ्य सेवा के अधिक समग्र, समावेशी और टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की क्षेत्रीय निदेशक एमेरिटस और विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक की पारंपरिक चिकित्सा पर वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पूनम खेत्रपाल ने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक शिखर सम्मेलन वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को आगे बढ़ाने में एक प्रमुख उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ, यह शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में पारंपरिक, पूरक, एकीकृत और स्वदेशी औषधियों के साक्ष्य-आधारित, न्यायसंगत और सतत एकीकरण के लिए एक दशक लंबी रूपरेखा को आकार देगा।

पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक निर्भरता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने अनुसंधान, नवाचार और नियामक सुदृढ़ीकरण के माध्यम से साक्ष्य अंतराल को पाटने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श के एक भाग के रूप में, "अश्वगंधाः पारंपरिक ज्ञान से वैश्विक प्रभाव तक - अग्रणी वैश्विक विशेषज्ञों के दृष्टिकोण" शीर्षक से एक केंद्रित कार्यक्रम 17-19 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। डब्ल्यूएचओ-जीटीएमसी द्वारा आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह सत्र अश्वगंधा की वैज्ञानिक समझ को मजबूत करने के लिए प्रमुख शोधकताओं, नीति निमार्ताओं और चिकित्सकों को एक साथ लाएगा। चचाओं में इसके एडाप्टोजेनिक, न्यूरोप्रोटेक्टिव और इम्यूनोमॉडुलेटरी गुणों पर समकालीन साक्ष्यों पर प्रकाश डाला जाएगा, साथ ही पारंपरिक ज्ञान से प्राप्त विचारों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। सुरक्षा आकलन पर जोर देते हुए, इस सत्र का उद्देश्य उच्च-गुणवत्ता वाले, साक्ष्य-आधारित अश्वगंधा उत्पादों की वैश्विक स्वीकृति को और बढ़ावा देना है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा; पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक श्री धीरेंद्र ओझा; आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री अलरमेलमंगई डी; आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दाश और आयुष मंत्रालय के उप महानिदेशक श्री सत्यजीत पॉल मंत्री के साथ मंच पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और मीडिया के सदस्य भी शामिल हुए।

पूर्वावलोकन कार्यक्रम 9-10 नवंबर 2025 को आयोजित राजदूतों के स्वागत समारोह के बाद आयोजित किया जा रहा है, जहाँ राजनयिकों को भारत-डब्ल्यूएचओ सहयोग और शिखर सम्मेलन के वैश्विक महत्व से अवगत कराया गया था।

आज के कार्यक्रम के साथ, भारत आधिकारिक रूप से पारंपरिक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन की उलटी गिनती शुरू कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर समग्र, एकीकृत और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

आईईपीएफए ने निवेशक- केंद्रित आउटरीच के माध्यम से भारत के वित्तीय जागरूकता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है

सीएफएल पहल, वित्तीय साक्षरता शिविर, फेम आउटरीच और निवेशक दीदी योजना समुदायों में वित्तीय जागरूकता और सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा दे रही है

(जीएनएस)।

सरकार वित्तीय साक्षरता के लिए अनेक उपाय कर रही है, जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

१. वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) परियोजना की शुरूआत भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय साक्षरता के लिए समुदाय-आधारित नवीन और सहभागी दृष्टिकोण अपनाना है। देश भर में कुल 2,421 सीएफएल स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक सीएफएल औसतन तीन ब्लॉकों को कवर करता है।

२. बैंक अपने वित्तीय साक्षरता केंद्रों (एफएलसी) के माध्यम से आम जनता के लिए यूपीआई और *99# (यूएसएसडी) के माध्यम से "डिजिटल होने" पर शिविरों का आयोजन करते हैं तथा विभिन्न लक्षित समूहों के लिए विशेष शिविरों का आयोजन करते हैं।

३. बैंकों की ग्रामीण शाखाओं को प्रति माह एक शिविर आयोजित करना आवश्यक है, जिसमें वित्तीय जागरूकता संदेश (फेम) पुस्तिका के सभी संदेशों को शामिल किया जाता है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ बुनियादी बैंकिंग, डिजिटल वित्तीय साक्षरता, उपभोक्ता संरक्षण आदि सहित वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं पर संदेश शामिल होते हैं।

४. देश भर में जनता के बीच विभिन्न विषयों पर वित्तीय शिक्षा के संदेश का प्रचार करने के लिए 2016 से हर साल वित्तीय साक्षरता सप्ताह (एफएलडब्ल्यू) का आयोजन किया जाता है।

५. आरबीआई का मल्टी-मीडिया, बहुभाषी जन जागरूकता अभियान, जिसका शीर्षक है "आरबीआई कहता है", वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं पर जनता को शिक्षित करने के लिए विभिन्न माध्यमों का उपयोग करता है।

५. निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) द्वारा देश भर में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम (आईएपी) चलाए जा रहे हैं। इन आईएपी के अंतर्गत, शिविरों का आयोजन करके वित्तीय साक्षरता और जागरूकता प्रदान की जाती है। "निवेशक दीदी" ऐसी ही एक पहल है, जिसके अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों और महिला मंडलों की सहायता से आंगनवाड़ियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पंचायत भवनों और केवल महिलाओं के सम्मेलनों में शिविर आयोजित किए जाते हैं। निवेशक दीदी घरों और मोहल्लों में जाकर वित्तीय शिक्षा पहुँचाती हैं, खासकर दूर दराज के उन इलाकों में भी जहाँ आवाजाही सीमित है।

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण (आईईपीएफए) ने भारत भर में 68738 से अधिक लाभार्थियों तक पहुँचते हुए 1110 शिविरों के माध्यम से वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए "निवेशक दीदी" कार्यक्रम के तहत इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के साथ भागीदारी की थी। इस पहल की पहुँच और परिणाम को अखिल भारतीय स्तर पर विस्तारित करने के लिए 7 अप्रैल, 2025 को निवेशक दीदी चरण वक्क का शुभारंभ किया गया है। निवेशक दीदी चरण- वक्क में देश भर में महिलाओं सहित ग्रामीण और अर्ध-शहरी आबादी को लक्षित करते हुए जिम्मेदार निवेश, धोखाधड़ी की रोकथाम और डिजिटल बैंकिंग पर 4000 वित्तीय साक्षरता शिविरों की परिकल्पना की गई है। लगभग 40,000 महिला डाक कर्मचारियों को सामुदायिक वित्तीय शिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह पहल जमीनी स्तर पर वित्तीय शिक्षा प्रदान करने के लिए डाक कर्मचारियों की व्यापक ग्रामीण उपस्थिति का लाभ दिलाती है।

यह जानकारी कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची

(जीएनएस)।

संस्कृति मंत्रालय संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) की राष्ट्रीय सूची को समय-समय पर अद्यतन सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें देश भर में आईसीएच तत्व के दस्तावेजीकरण, संरक्षण को शामिल किया गया है।

संस्कृति मंत्रालय भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में कई योजनाएं लागू करता है। गुरु-शिष्य परंपरा योजना प्रदर्शन कला गतिविधियों की सभी शैलियों जैसे नाटक समूहों, थिएटर समूहों, संगीत कलाकारों, बच्चों के रंगमंच आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है और गुरु-शिष्य परंपरा के अनुरूप नियमित आधार पर कलाकारों को उनके संबंधित गुरु द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करती है। संस्कृति मंत्रालय ने देश भर में भारत की लोक कलाओं और संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं। पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में मुख्यालय वाले ये केंद्र क्षेत्रीय सांस्कृतिक विविधता की रक्षा, प्रसार और विकास करने, युवाओं को शामिल करने और कला के लुप्त होते स्वरूपों का दस्तावेजीकरण करने के लिए काम करते हैं।

यूनेस्को के विनियम के अनुसार, यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने के लिए प्रत्येक दो वर्ष के चक्र में एक नामांकन प्रस्तुत किया जाता है। 2025-26 चक्र के लिए, दीपावली को आईसीएच सूची में शामिल करने के लिए नामांकित किया गया है। छठ महापर्व को साइकिल 2026-27 के लिए नामांकित किया गया है।

देश भर में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत 43 संगठन हैं। इनका ब्यौरा अनुलग्नक-क में दिया गया है। पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन करता है, जैसे कि "गुरु शिष्य परम्परा" योजना, जिसमें ओडिशा के पारंपरिक कला रूप जैसे गोटीपुआ नृत्य और पाइका अखाड़ा शामिल हैं।

भारत में वर्तमान में वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश के कुंभ मेले सहित मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में 15 तत्व अंकित हैं। छठ महापर्व को वर्ष 2026-27 के लिए आईसीएच सूची के लिए नामांकित किया गया है। इन तत्वों का विवरण अनुलग्नक वक्क में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से बौद्ध पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों/केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास कार्य के लिए 'बौद्ध सर्किट' की पहचान विषयगत सर्किटों में से एक के रूप में की गई है। संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) वार्षिक संरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत संरक्षित बौद्ध स्थलों सहित विभिन्न स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण करता है।

लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चारः भारत के जम्मू-कश्मीर में ट्रांस-हिमालयी लद्दाख क्षेत्र, पवित्र बौद्ध ग्रंथों का मंत्रोच्चार आईसीएच की यूनेस्को प्रतिनिधि सूची में शामिल है।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के 'इंटरकनेक्शन मुद्दों पर ट्राई के मौजूदा विनियमों की समीक्षा' परामर्श-पत्र पर टिप्पणियां और प्रति-टिप्पणियां जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

(जीएनएस)।

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 10 नवंबर, 2025 को "इंटरकनेक्शन मुद्दों पर ट्राई के मौजूदा विनियमों की समीक्षा" विषय पर परामर्श-पत्र जारी किया। इस परामर्श-पत्र में उठाए गए मुद्दों पर लिखित टिप्पणियां और प्रति-टिप्पणियां जमा करने की अंतिम तिथियां क्रमशः 8 दिसंबर, 2025 और 22 दिसंबर, 2025 निर्धारित की गई थीं।

उद्योग संगठनों और हितधारकों के समय बढ़ाने के अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए, परामर्श-पत्र पर टिप्पणियां देने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 29 दिसंबर, 2025 और प्रति-टिप्पणियों के लिए 29 दिसंबर, 2025 की गई है।

टिप्पणियां/प्रति-टिप्पणियां इलेक्ट्रॉनिक रूप में श्री समीर गुप्ता, सलाहकार (नेटवर्क, स्पेक्ट्रम और लाइसेंसिंग-क), ट्राई को ईमेल आईडी advnsll@trai.gov.in पर और एक प्रति ja2nsl2@trai.gov.in को भेजी जा सकती हैं।

किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए श्री समीर गुप्ता, सलाहकार (नेटवर्क, स्पेक्ट्रम और लाइसेंसिंग-क), ट्राई से टेलीफोन नंबर +91-11-20907752 पर संपर्क किया जा सकता है।

ट्राई ने 'कुछ उपग्रह-आधारित वाणिज्यिक संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के आवंटन हेतु नियम एवं शर्तें' पर दिनांक 09.05.2025 की अपनी सिफारिशों पर दूरसंचार विभाग के दिनांक 12.11.2025 के संदर्भ का जवाब दिया।

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आज संचार मंत्रालय के, दूरसंचार विभाग (डीओटी) से प्राप्त दिनांक 12.11.2025 के संदर्भ पर अपना जवाब भेज दिया है। यह जवाब 'कुछ उपग्रह-आधारित वाणिज्यिक संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नियम और शर्तों' पर ट्राई की दिनांक 09.05.2025 की सिफारिशों के संबंध में है।

इससे पहले, दूरसंचार विभाग ने दिनांक 11.07.2024 को एक संदर्भ के माध्यम से, ट्राई से अनुरोध किया था कि वह निम्नलिखित उपग्रह-आधारित संचार सेवाओं के लिए स्थलीय सेवाओं के साथ समान अवसर को ध्यान में रखते हुए स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण सहित स्पेक्ट्रम आवंटन के नियमों और शर्तों हेतु सिफारिशें प्रदान करेः

एनजीएसओ आधारित स्थिर उपग्रह सेवाएँ डेटा संचार और इंटरनेट सेवाएँ प्रदान करती हैं। अपनी सिफारिशों में, ट्राई जीएसओ-आधारित उपग्रह संचार सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को ध्यान में रख सकता है।

जीएसओ/एनजीएसओ आधारित मोबाइल सैटेलाइट सेवाएं जो वायस टेक्स्ट, डेटा और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करती हैं।

ट्राई ने एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया के बाद इस संबंध में, 09.05.2025 को 'कुछ उपग्रह-आधारित वाणिज्यिक संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नियम और शर्तों' पर अपनी सिफारिशें दूरसंचार विभाग को भेजीं थी।

हाल ही में, दूरसंचार विभाग ने दिनांक 12.11.2025 के एक संदर्भ के माध्यम से, 'कुछ उपग्रह-आधारित वाणिज्यिक संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नियम और शर्तों' पर ट्राई की कुछ सिफारिशों को संदर्भित किया है और ट्राई से अनुरोध किया है कि वह ट्राई अधिनियम 1997 (संशोधित) की धारा 11 के प्रावधानों के अनुसार, ऐसी सिफारिशों के संबंध में अपनी सिफारिशें प्रदान करे।

ट्राई ने सावधानीपूर्वक जाँच के बाद, इस संबंध में, दूरसंचार विभाग के संदर्भ पर अपना जवाब भेज दिया है। संदर्भ पर ट्राई का जवाब ट्राई की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

किसी भी स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए ट्राई के नेटवर्क, स्पेक्ट्रम एवं लाइसेंसिंग सलाहकार श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी से टेलीफोन नंबर +91-11-20907758 पर संपर्क किया जा सकता है।

महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर नन्हे कलाकारों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा

कथक फ्यूजन डांस कर अक्षिता दीक्षित ने दर्शको को मंत्रमुग्ध किया।

लखनऊ – 8 दिसंबर 2025: कानपुर रोड आशियाना क्षेत्र स्मृति उपवन में आयोजित माँ गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदस्य शेरोगेसी बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार, पूर्व सदस्य राज्य महिला आयोग सुनीता बंसल आयोजक अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह एवं हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। सांस्कृतिक संध्या में नेचुरल टच वेलफेयर सोसाइटी संस्था की अध्यक्ष स्मृति शर्मा, सचिव प्रदीप कुमार शर्मा के निर्देशन में बालीवुड क्लासिकल डांस की सुन्दर प्रस्तुति देकर सांस्कृतिक मंच पर नन्हे कलाकारों ने दिखाई अद्भुत प्रतिभा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया इसके बाद बच्चों ने बालीवुड क्लासिकल डांस कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतिभा पाडेंय, आयुषी, शिवाक्ष एवं नंन्दनी की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। लखनऊइट्स कनेक्ट के संस्थापक अर्पित वर्मा, सह-संस्थापक रशिका शर्मा के निर्देशन में अक्षिता दीक्षित कथक फ्यूजन डांस,डॉ खुशी राज एक्स प्रखर गुप्ता कथक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा दिया, वहीं कबीर ने सुरमई रचनाओं को पढ़ा कर श्रोताओं का दिल जीत लिया। स्टैंड अप कॉमेडी, शायरी, रैप गायन ने सांस्कृतिक संध्या को गुलजार कर दिया। इस दौरान महोत्सव समिति के मोनालिसा, रोली जयसवाल व मनोज सिंह चौहान,रोली सिंह ने नन्ही प्रतिभाओं का सम्मान किया। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला सहसंचालक विजय गुप्ता ने किया। इस मौके पर दर्शकों ने कलाकारों का तालियां बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया।

सर्वसम्मति से समाज सेवी शेखर कुमार जी को सर्वधर्माय संस्थानम का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया

लगातार चार महीने से समाज के सभी धर्मों/सम्प्रदाय के प्रबुद्ध लोगों की कई बैठकों के बाद मुर्तजा अली ,अनूप श्रीवास्तव, आर्किटेक्ट सुनील कुमार श्रीवास्तव,वीरेंद्र जी,गुरचरण सिंह,सुनीता श्रीवास्तव,संजय कुमार,सर्वेश श्रीवास्तव,धर्मेन्द्र साहू, विजय सिंह,अनिल श्रीवास्तव,नरेश प्रधान,अमिताभ श्रीवास्तव,अमिताभ अस्थाना,कमल अग्रवाल,अंशु जी,सुमित सिंह,विवेक जी, डाक्टर नीरज जैन,आलोक सेकृरीवाल,मनोज कुमार, राकेश रंजन, सहित काफी संख्या में गणमान्य विभूतियों ने सर्वसम्मति से समाज सेवी शेखर कुमार जी को सर्वधर्माय संस्थानम का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया। और इसी सन्दर्भ में आयोजित प्रेस वार्ता में संरक्षक श्री अनूप श्रीवास्तव, आर्किटेक्ट सुनील कुमार श्रीवास्तव व मुर्तजा अली द्वारा श्री शेखर कुमार जी को अधिकारिक रूप से प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया जाता है। शेखर कुमार जी ने अपनी बात को रखते हुए कहा कि इसकी आवश्यकता बहुत दिनों से महसूस कर रहा था कि क्यों न छोटी छोटी गलतफहमियों को आपसी संवाद के माध्यम से समाप्त करते हुए समाज के सभी वर्गों को सम्मिलित करने के उद्देश्य से आपसी समी धर्मों/सम्प्रदाय के विचारधाराओं को एक मंच पर लाकर और एक माला में पिरोकर जबर्दस्तीकी फैली हुई गलतफहमियों व मनमुटाव को दूर कर भाई चारा व राष्ट्रीय प्रेम को सर्वोच्च रखते हुए समाज को एक नई दिशा व दशा को फलीभूत करना होगा। महन्त देव्या गिरी जी ने शेखर कुमार जी द्वारा किए गए प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में सभी धर्मों/सम्प्रदाय के प्रबुद्ध लोगों को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद व तालमेल बनाए रखते हुए समाज में जागरूकता के साथ साथ एक नई उर्जा का संचार होगा जिससे की समाज के सभी वर्गों के लोग लाभान्वित होंगे। श्रीमती समता बाफिला जी ने भी वर्तमान परिदृश्य में सकारात्मक विचारों का सम्मिश्रण करते हुए इस तरह के संगठन के तले कार्य करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सभी लोग आपस में मिल जुलकर छोटी छोटी गलतफहमियों व नकारात्मक विचारों का त्याग करते हुए सभी के हितों को ध्यान रखते हुए कार्य करने की आवश्यकता है। श्री राम प्रपत्तिपीठादीश्वर स्वामी (डाक्टर) सौमित्रिप्रपन्नाचार्य ने कहा कि ईश्वर कभी दो हो नही सकते और रास्ते एक नही हो सकते। ईश्वर तक पहुंचने के अनेक मार्ग है,जिसको जो भा गया वह उस पर चलता है। हमें सभी मार्गों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि अन्तिम गंतव्य सबका एक ही है यही है सर्वधर्म समभाव। प्रेम ही सार तत्व है। द्वेष के रहते भगवत प्राप्ति हो ही नही सकती।अध्यक्ष श्री शेखर कुमार जी ने बताया कि अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चक्रपाणि महाराज जी को चीफ पैट्रन,डाक्टर सौमित्रप्रपन्नाचार्य जी,महन्त देव्या गिरी जी,उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परमिन्दर सिंह जी, श्री मति समता बाफिला जी,मुर्तजा अली जी, रमेश मैसी,अनूप श्रीवास्तव,आर्किटेक्ट सुनील कुमार श्रीवास्तव जी को पैट्रन मनोनीत किया है समाज सेवी मुर्तजा अली जी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष,समाज सेवी सुनीता श्रीवास्तव,प्रमिला मिश्रा जी को प्रदेश उपाध्यक्ष, आसिफ किदवई जी को प्रदेश महामंत्री मनोनीत किया गया। धन्यवाद।आपका: नरेश प्रधान, मीडिया प्रभारी।

'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' पर जन्नत जुबैर कहती हैं, 'अली के साथ खाना बनाना उनके लिए चुनौती है!'

कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' अपने खास मिश्रण — खाना, मजा और पूरे डिनर-एंटरटेनमेंट — के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में रसोई में पुराने पसंदीदा चेहरे और नए प्रतिभागी दोनों का तड़का लगेगा, भारती सिंह की आइकॉनिक 'मर और सेलेब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोढ़ी के मार्गदर्शन में। स्टार कास्ट — करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, देबिना बनर्जी, गुरमीत चौधरी, ऐशा सिंह, विवियन दीसेना, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरेल, एल्विश यादव, इशा मालवीय, कश्मीरा शाह, कृष्णा अभिषेक, अली गोनी और जन्नत जुबैर — हँसी, दुश्मनी और सबसे मनोरंजक किचन-हंगामे का वादा करती है। क्योंकि यहाँ पर बात कभी परफेक्ट प्लेटिंग की नहीं होती; बात होती है खुशी, साथ होने और उन पलों की जो घर जैसी अनुभूति देते हैं। जन्नत जुबैर के शब्दों में, इस किचन में कदम रखना ऐसा है मानो एक ऐसे परिवार में शामिल होना जहाँ खाना सिखाता, हंसाता और एक-दूसरे से जोड़ता है— और वह इस नए सीजन के वाइब, टीमों और पूरे डिनर-एंटरटेनमेंट के बारे में खुलकर बात करती हैं। वह वादा करती हैं कि इस बार रसोई में बड़ी भावनाएँ, ज्यादा मजा और वो पल होंगे जिन्हें आप भूल नहीं पाएँगे।

'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' के इस सीजन को पिछले सीजन से अलग क्या बनाता है?

यह सीजन सच में एक अलग ही लेवल पर है! रसोई हमेशा से ही हंगामेदार रही है, मगर इस बार ऐसा लग रहा है जैसे आग पूरी तरह भड़क गई हो। दो सुपरहिट सीजन्स के बाद शो लौटा है और यह अब और बड़ा, पागलपन भरा और मसालेदार है। हमारे पास नई जोड़ियाँ और नई टीमें हैं, जिनमें हमारी अपनी टीम कांटा और टीम छुरी भी शामिल हैं, जो अपनी चमक, गति और पूरे मजे के साथ रसोई में दस्तक देने को तैयार हैं। आप यहाँ प्यार करने वाले जोड़ों, सबसे अच्छे दोस्तों, फ्रेनेमीज, रियलिटी-शो विरोधियों और बिल्कुल नए कुक्स—सभी को एक ही रसोई में टिके रहने की कोशिश करते देखेंगे। मुझ पर भरोसा करें, रसोई ने कभी इतनी टीजिंग, टेस्टिंग, नखरे, टीमवर्क और ग्लैमर नहीं देखा। जो चीज मुझे सच में पसंद है वह यह है कि यह अब भी सबसे अच्छा शेफ बनने के बारे में नहीं है; यह केमिस्ट्री, भ्रम, आखिरी पल के हादसे और उन पलों के बारे में है जहाँ डिश फेल हो सकती है पर हँसी हमेशा जीत जाती है।

आप अपने पार्टनर अली गोनी के साथ खाना बनाने को लेकर कितनी उत्साहित हैं?

मैं वाकई उत्साहित हूँ! अली के साथ खाना बनाना एक चुनौती है — उनके लिए! वह फोकस्ड हैं, स्थिर हैं और चीजें सही करने के प्रति बहुत गंभीर हैं। और अब जब हम पार्टनर हैं, मुझे सच में लगता है कि इस सीजन में सबसे ज्यादा स्टार्स जीतने का मुझे एक अच्छा मौका है क्योंकि अली अच्छा पकाते हैं। हमारा रिश्ता टॉम-एंड-जेरी वाले आराम जैसा है — हम किसी छोटी बात पर बहस कर लेते हैं और फिर अगली ही मिनट में हँस पड़ते हैं।

क्या आपको पिछले सीजन के किसी प्रतियोगी की याद आ रही है?

इस सीजन में मुझे बहुत से लोग याद आ रहे हैं जैसे अंकिता दी, विक्की भैया और निया। हमने साथ में कुछ अनोखी यादें बनाईं। लेकिन जिसे मैं सबसे ज्यादा याद करती हूँ वह रीम है। वह सिर्फ एक दोस्त नहीं है; वह मेरी बहन जैसी है, और वह सीजन 1 में मेरी पार्टनर थी। हम बिना बोले ही एक-दूसरे को समझ जाती थीं। उम्मीद है वह जल्द ही वापस आएँगी।

कौन बेहतर शेफ हैं — पुराने या नए?

पुराने शेफ्स अनुभव और अपनी-अपनी ट्रिक्स के साथ आए हैं, जबकि नए शेफ्स ताजा एनर्जी और पूरा आत्मविश्वास लेकर आए हैं, इसलिए यह एक बेहतरीन मिश्रण है। हर

लाफ्टर शेफ की कॉमेडी की एक अलग पहचान है, और जब हम किचन में होते हैं तो हर किसी की ताकत अलग तरह से चमकती है। इस सीजन में रसोई हेल्दी कॉम्पिटिशन, मस्ती भरे चैलेंज और उन पलों से गर्म होने वाली है जहाँ हम सभी एक-दूसरे से बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं, पर अंत में हम हमेशा साथ में हँसते ही हैं।

क्या आप अपने परिवार को वही खिलाती हैं जो आपने शो में बनाई है?

हाँ! अब मैं उन्हें खिलाती हूँ। पहले अगर मैं किचन के पास भी जाती तो सब कहते, 'अरे रहने दो, छोड़ दो।' लेकिन लाफ्टर शेफ्स के बाद सब कुछ उलट गया — अब वे कहते हैं, 'जन्नत, वही पास्ता बना दो सीजन 1 वाला, वह पराठा जो तुमने सीखा था और वह डेजर्ट भी!' शो पर हर स्टार जो मैं जीतती हूँ, वह घर पर एक डिश बनकर मांग में बदल जाता है। तो मैंने घर पर खासकर मम्मी और अयान के लिए ज्यादा पकाना शुरू कर दिया है। और जब उन्हें मेरे पकवान पसंद आते हैं, तो सच में ऐसा लगता है जैसे मैंने घर पर एक छोटी ट्रॉफी जीत ली हो।

शो ने आपकी ज़िन्दगी में क्या फर्क डाला है?

इस शो से पहले मेरी कुकिंग क्षमता मैगी, रामेन और कॉफी तक सीमित थी। लेकिन अब? मैंने अपनी कद्र बढ़ा ली है! अब मैं पाव भाजी और जलेबी और भी बहुत कुछ बनाना जानती हूँ। उससे बढ़कर, इस शो ने मेरे खाने के प्रति नजरिया बदल दिया है। इस शो ने मुझे सच में सिखाया है कि धीमा होना जरूरी है। मेरी ज़िन्दगी बहुत तेज रफ्तार वाली है — शूट्स, ट्रैवल, कंटेंट, मीटिंग्स — पर खाना बनाना आपको उपस्थित रहने पर मजबूर करता है। खाना बनाना हर इंग्रीडिएंट और हर मेहनत की कदर करना सिखाता है। और सच बताऊँ तो, इस शो के हर सेलिब्रिटी मेरे बिना फीस के थेरेपिस्ट हैं।

अपने फैंस और दर्शकों को इस सीजन के लिए आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

तैयार रहिए मजे, हंगामे, भावनाओं और कुछ जली हुई रोटियों के लिए। पर सबसे ज्यादा, आइएं और इस वाइब का आनंद लें। यह शो अपने आप होने, अपने परिवार के साथ हंसने और यादें बनाने के बारे में है। इस सीजन में हमारे साथ कई नए चेहरे जुड़े हैं, इसलिए कृपया उन्हें वही प्यार दीजिए जो आपने हमें यहाँ पहली बार देखने पर दिया था। इस बार उम्मीद रखिए ट्विस्ट्स, सरप्राइज और भरपूर ग्लैमर का तड़का।

यदि आप 'लाफ्टर शेफ्स' में अपनी यात्रा को एक वाक्य में बताना चाहें, तो वह क्या होगा?

यह एक ऐसी जगह है जहाँ मुझे परफेक्ट होने की जरूरत नहीं है, मुझे बस खुद होने का मौका मिलता है — और यही दुनिया की सबसे बेहतरीन भावना है।

देखिए 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3'— को-पावर्ड बाय एन्वी परफ्यूम्स एंड कैच मसाले, पोअर होम एयर फ्रेशनर, लक्सइंफर्नो, स्पेशल पार्टनर कैरेटलेन और पेट शुद्धि — हर शनिवार-रविवार रात 9:00 बजे केवल कलर्स पर!

पहाड़ विनम्र बनाते और ऊर्जा से भर भी देते हैं

यूपी दुनियाभर में जब पहाड़ों की खूबसूरती और शांत माहौल का जश्न मनाया जा रहा है, ऐसे में एण्डटीवी के मशहूर कलाकार भी बता रहे हैं कि वो क्यों पहाड़ों के दीवाने हैं। आगामी शो 'घरवाली पेडवाली' में जीतू का किरदार निभा रहे पारस अरोड़ा कहते हैं, ''पहाड़ों का मेरे दिल में एक अलग ही स्थान है- वे मुझे हर पल जीने, सुकून महसूस करने और बिल्कुल आजाद होने का एहसास कराते हैं। मैं पूरी तरह से 'माउंटेन पर्सन' हूं! ट्रेकिंग करना, नए रास्तों को खोजना और घुमावदार सड़कों पर बाइक चलाना मुझे बेइंतहां खुशी देता है। मेरे लिए पहाड़ सिर्फ.मंजिल नहीं हैं; वे थेरेपी, रोमांच और शांति- तीनों का मेल हैं।''

इसी तरह 'हप्पू की उलटन पलटन' में कमलेश का किरदार निभा रहे संजय चौधरी बताते हैं, ''मुझे हमेशा से पहाड़ी इलाकों का बहुत शौक रहा है। प्रकृति के बीच रहने में एक अलग ही सुकून होता है, और साथ ही थोड़ा रोमांच भी। मुझे पहाड़ हमेशा याद दिलाते हैं कि जिंदगी की असली खूबसूरती उन्हीं छोटे-छोटे, लम्हों में छुपी होती है जो दिल को छू जाएं।''

उधर, 'भाबीजी घर पर हैं' की चहेती अनीता भाबी यानी विदिशा श्रीवास्तव ने बताया, ''मेरे लिए पहाड़ों में ट्रेकिंग हमेशा रोजमर्रा की भागदौड़ से निकलने का सबसे अच्छा तरीका रही है। पहले मैं अक्सर ट्रेक पर जाती थी, खासकर बरसात के मौसम में-भीगी मिट्टी की खुशबू, हरी-भरी पगडंडियाँ और झरनों की आवाज पूरे अनुभव को जादुई बना देते थे। मुझे पहाड़ों की अनिश्चितता पसंद है कि वो आपको एक साथ विनम्र भी बनाते हैं और ऊर्जा से भर भी देते हैं। चाहे लंबी नेचर-वॉक हो या किसी पहाड़ी कैफे में बैठकर बादलों को आते देखना, पहाड़ हमेशा याद दिलाते हैं कि हम कितने छोटे हैं, फिर भी इस खूबसूरत दुनिया से कितने गहराई से जुड़े हुए हैं।''

सुखनदान की महफिल 'सलाम-ए-सुखन' एक शाम भारतीय सेना के नाम

लखनऊः 07 दिसम्बर की शाम खास बारादरी, गोमतीनगर, लखनऊ में सुखनदान फाउण्डेशन की जानिब से शायरी की महफिल - सलाम-ए-सुखन के तहत ''एक शाम भारतीय सेना के नाम'' समर्पित करते हुए आयोजन किया गया। 07 दिसम्बर को इण्डियन आर्म्ड फोर्सेज फलैग-डे के नाम से मनाया जाता है, लिहाजा इस खास मौके.को यादगार बनाने के लिये एक मुशायरे का आयोजन हुआ। इस मौके पर बसवा कल्यान, कनार्टक से तशरीफ लाये डा0 अब्दुल रज्जाक उर्फ बाबा चैधरी बतौर चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए, मुशायरे की सदारत आलमी शोहरत याफता शायर सलीम सिददीकी ने की और मशहूर व मारूफ शायर और नाजिम नदीम फर्रूख ने निजामत के फराइज को अंजाम दिया। मुशायरे में शायर/कवि के तौर पर सलीम सिददीकी, नदीम फर्रूख, मोहम्मद अली साहिल, आदिल रशीद, शाइस्ता सना, तबरेज मुनव्वर राना, वसीम राजूपुरी, रूबीना अयाज, शादाब आजमी, अम्बरीश ठाकुर, आमिल हबीबी, सौरभ जायसवाल, असद नदीम, शाश्वत सिंह दर्पण व पीयूष अग्निहोत्री ने अपने-अपने कलाम से महफिल में शायरी के रंग बिखेरे और सामइन को भरपूर दाद देने को मजबूर किया। शायरों के मुन्तखब अश्आर पाठकों के लिये पेश हैं -

मुझको उड़ने के तरीके न सिखाओ हम लोग
पेड़ से आये हैं, पिंजरे से नहीं आये हैं : सलीम सिददीकी

कुछ इस तरह से जमाने पे छाना चाहता है
वो आफताब पे पहरे बिठाना चाहता है.नदीम फर्रूख

मेरे किरदार पर कोई उंगली उठे
मुझको ऐसी मुहब्बत नहीं चाहिए : शाइस्ता सना

वो न समझा उसूल की खुशबू
उसका अंदाज ताजिराना था : .मोहम्मद अली साहिल

हलाल रिज्क का मतलब किसान से पूछो
पसीना बन के बदन से लहू निकलता है .आदिल रशीद

बाप होता न अगर कैसे गुजारा करते
बाप के नाम पर तुम किसको पुकारा करते .वसीम राजूपुरी

इतनी बलन्दी देख के घबरा गये थे हम
इक दिन अना से अपनी ही टकरा गये थे हम.तबरेज मुनव्वर राना

मौत जिस वक्त जिधर आनी है, आयेगी वहीं
मौत से डर से गिलाफे नहीं बदले जाते : आमिल हबीबी

इश्क में हर जगह है दैर-ओ-हरम
हर जगह हम तवाफ करते हैं : : रूबीना अयाज

जो चाहते हो कि नफरत का खात्मा हो जाये
ये मशविरा है मुहब्बतों को आम करते रहो.शादाब आजमी

ये दुनिया एक दोजख है जहाँ पर
कहीं से लोग मर कर आ रहे हैं : .शाश्वत सिंह दर्पण

कितनी आसानी से मर सकता हूँ मैं
प्यास हूँ पानी से मर सकता हूँ मैं : .पीयूष अग्निहोत्री

ये तो किस्मत है कि कदमों में पड़े हैं तेरे
वरना हम फूल थे देवों को चढ़ाने वाले : अम्बरीष ठाकुर

न वासु जान पाते हैं न माता जान पाती है
कृष्णा किस लिये रूठे हैं राधा जान पाती है : असद नदीम

खिले हुए रोज सी लगती है, कैटरीना के पोज सी लगती है
पत्नी चिकन पॉक्स का टीका, साली बूस्टर डोज सी लगती है : सौरभ जायसवाल

इस कल्चरल प्रोग्राम में डॉ0 शिखा सिंह, डॉ0 रियाज अहमद, कुलदीप कलश, प्रोफेसर बलवन्त सिंह, डा0 उमंग खन्ना, खुर्शीद खान राजू, नवाब नूर आलम, मंजू श्रीवास्तव, गुरमीत कौर, परमजीत सिंह, शबाब नूर, नौशाद अली राहत, सरफराज आलम के अलावा कई मुअज्जिज लोग मौजूद रहे और शायरों व कवियों को पूरे मन से सुनकर उन्हें दाद-ओ-तहसीन से नवाजा गया। देर रात तक चले इस प्रोग्राम में खासकर नई नस्ल के शायरों ने अपनी बेहतरीन शायरी से चैंकाया।

इस कार्यक्रम में मीडिया फोटाग्राफर्स क्लब, न्यूज टाइम नेशन, उजाला न्यूज आदि के मीडिया/प्रेस प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मुशायरे के बाद सुखनदान फाउण्डेशन के चेयरमैन नदीम फर्रूख एवं नेशनल प्रेसीडेंट कल्चरल विंग मोहम्मद अली साहिल ने सुखनदान फाउण्डेशन के द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए मौजूद सभी मेहमानों व मीडिया और सुखनदान की टीम का शुक्रिया अदा किया गया

कोसीकलां पुलिस ने गांजा बेच रहे एक तस्कर को पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोसीकलां क्षेत्र स्थित लॉर्ड कृष्णा कॉलोनी में गांजा बेच रहे मादक पदार्थ तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी कोसीकलां अजय कौशल पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ और अवैध शराब तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली लॉर्ड कृष्णा कॉलोनी में मकान से एक तस्कर गांजा बेच रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कौशल और एसआई दुष्यंत कौशिक पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर छत की ओर भाग रहे तस्कर राजीप उर्फ राजेश पुत्र अभय सिंह निवासी भातू कॉलोनी थाना कोसीकलां, हाल निवासी लार्ड कृष्णा कॉलोनी थाना कोसीकलां को दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के कब्जे से 1 किलो 703 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

खुलासा : कर्जा मांगने, मां और बहन पर अश्लील टिप्पणी करने पर की थी परचून व्यापारी की हत्या : पुलिस ने चार हत्यारोपी दबोचे

मथुरा (जीएनएस)। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित यशोदाकुंड के पास से पुलिस ने परचून व्यापारी की हत्या करने वाले चार हत्यारोपियों को गिरफ्तार करके हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पकड़े गए हत्यारोपियों ने उधारी के पैसे मांगने और मां-बहन पर अश्लील टिप्पणी करने पर हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि विगत 4 दिसंबर को गांव थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गांव डाहरौली में परचून व्यापारी महादेव की हत्या का खुलासा करने के लिए थाना प्रभारी बरसाना चेतराम शर्मा, एसओजी प्रभारी राकेश कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा को टॉस्क दिया था। पुलिस टीमें उसी समय से घटना का खुलासा करने के लिए सुराग तलाश रही थीं। उसी बीच पुलिस टीमों को परचून व्यापारी की हत्या करने वाले बदमाशों का सुराग मिल गया। बताया कि इसके बाद पुलिस टीमें फरार हत्यारोपियों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि परचून व्यापारी की हत्या करने वाले बदमाश कहीं भागने की फिराक में यशोदाकुंड के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बरसाना चेतराम शर्मा, एसओजी प्रभारी राकेश कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम में चौकी प्रभारी हाथिया प्रवीन तेवतिया, एसआई अनुराग चौधरी, चौकी प्रभारी नन्दगांव राहुल सिंह, एसओजी के मुख्य आरक्षी सुधीर कुमार, रजनीश यादव, सुदेश कुमार, अजय कुमार, मुकेश कुमार, दीपक राव, पीयूष कुमार, थाना बरसाना के मुख्य आरक्षी दिनेश भाटी, विनोद कुमार, यशपाल और सर्विलांस टीम के आरक्षी योगेश कुमार के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास कर रहे हत्यारोपी सोनू पुत्र होतीलाल, मोहित पुत्र हेतराम, सचिन पुत्र ईशरदयाल और गुलशन पुत्र विजय सिंह निवासीगण गांव डाहरौली थाना बरसाना को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से 4 तमंचा, कारतूस, हत्या में प्रयुक्त खून से सना डंडा, एक पत्थर, मृतक का लूटा हुआ थैला, मृतक का टूटा हुआ मोबाइल और मृतक की दुकान की चाबियों का गुच्छा बरामद किया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने पूछताछ की तो हत्यारोपी सोनू ने बताया गया कि मृतक महादेव की दुकान पर गुलशन काम करता था। बताया कि मृतक अक्सर दुकान पर लोगों के सामने गुलशन की मां को लेकर अश्लील कमेंट करता रहता था और उसकी बहन को लेकर भी कई बार अश्लील कमेंट कर चुका था। हत्यारोपी सोनू के पिता ने महादेव से कुछ समय पहले भैंस खरीदने के लिए ब्याज पर 40 हजार रुपए ब्याज पर लिए और उसके ऊपर भी दुकान की उधारी के रूपए थे। समय पर कर्जा नहीं चुकाने पर मृतक महादेव से कहता था कि अगर कर्जा चुकाने में परेशानी हो रही है, तो अपनी बहन के उसके पास छोड़ जा। मृतक महादेव की इन बातों को लेकर सोनू और गुलशन, गांव वालों के सामने बेज्जती महसूस करने लगे थे और मृतक महादेव से रंजिश मानने लगे। बताया कि इसके बाद सोनू और गुलशन ने मिलकर महादेव की हत्या करने की योजना बनायी थी। इसके बाद विगत 4 दिसंबर को सोनू और गुलशन ने फोन करके अपने दोस्त सचिन और मोहित को गांव के बाहर मिलने बुला लिया था। इसके बाद मृतक महादेव दुकान बंद करके घर के लिए जाने लगा तो गुलशन ने फोन द्वारा उन्हें सूचना दे दी। इसके बाद सोनू, सचिन, मोहित ने मृतक महादेव को देवदत्त के खेत के सामने सड़क पर रोक लिया था। हत्यारोपियों ने बताया कि मृतक महादेव नशे में था। वहां पर कहासुनी होने पर मृतक ने सोनू में चांटा मारा तो सोनू और मोहित ने मृतक महादेव के सीने और पैर पर डंडे प्रहार किए तो वह बेहोश होकर गिर पड़ा था। मृतक के बेहोश होने पर पकड़े गए हत्यारोपी उसे सडक से खींचकर खेत में अंदर ले गए थे और लाठी-डंडे तथा पत्थरों से प्रहार करके परचून व्यापारी महादेव के सिर पर उसके मरने तक प्रहार किए थे। इसके बाद हत्यारोपियों ने मृतक के शव को कुंए में फेंका था। पुलिस ने पकड़े गए हत्यारोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।